

## पाठ 12 - घर की याद (भवानीप्रसाद मिश्र)

### प्रश्न-उत्तर

#### रचना से संवाद: मेरे उत्तर मेरे तर्क

#### 1. भवानीप्रसाद मिश्र ने यह कविता कहाँ और क्यों लिखी?

- (क) विदेश से मित्र के लिए
- (ख) युद्धभूमि से जानने वालों के लिए
- (ग) जेल से परिवार के लिए
- (घ) यात्रा से किसी संबंधी के लिए
- **तर्क:** यह उत्तर उपयुक्त है क्योंकि कवि ने सन् 1942 के 'भारत छोड़ो आंदोलन' के दौरान तीन वर्ष के कारावास के समय जेल की कोठरी में अकेले रहते हुए अपने परिवार के गहरे विरह में इस कविता की रचना की थी।

#### 2. लगातार बरसता पानी कवि के मन की किस भावना का परिचायक है?

- (क) उत्साह और आवेग
- (ख) भय और क्रोध
- (ग) साहस और उमंग
- (घ) चिंता और बेचैनी (घर की याद और विरह)
- **तर्क:** बाहर बरसता हुआ निरंतर पानी कवि के अंतर्मन में उमड़ने वाले आँसू, अपने प्रियजनों से दूर रहने की तीव्र तड़पन, चिंता और विरह की गहरी बेचैनी को कलात्मक रूप से व्यक्त करता है।

#### 3. कविता में माँ की कैसी छवि उभरती है?

- (क) कमजोर और निष्क्रिय
- (ख) स्नेहमयी और दृढ़
- (ग) शिक्षित और अनुशासनप्रिय
- (घ) सरल और उदासीन
- **तर्क:** कविता में माँ भले ही अनपढ़ है, परंतु वह ममता की प्रतिमूर्ति है। संकट के समय वह पिता के आँसुओं को पोंछकर उन्हें ढाँढस बंधाती है और बेटे के जेल जाने को अपनी कोख का गौरव मानती है, जो उनकी आंतरिक दृढ़ता को दिखाता है।

#### 4. "वज्र-भुज नवनीत-सा उर" पंक्ति के माध्यम से पिता के व्यक्तित्व की कैसी छवि प्रस्तुत की गई है?

- (क) कर्मठ और सृजनशील
- (ख) साहसी और पराक्रमी
- (ग) दृढ़ और संवेदनशील
- (घ) प्रसन्नचित्त और सक्रिय

- **तर्क:** 'वज्र-भुज' शब्द पिता के फौलादी, साहसी और दृढ़ शरीर को दर्शाता है, जबकि 'नवनीत-सा उर' उनके भीतर छिपी अत्यधिक संवेदनशीलता, कोमलता और संतान के प्रति गहरे वात्सल्य को प्रकट करता है।

5. "एक पत्ता टूट जाए, बस कि धारा फूट जाए" पंक्ति किस ओर संकेत करती है?

(क) पिता की कठोरता

(ख) पिता की भावुकता

(ग) वर्षा की तीव्रता

(घ) पिता की निर्बलता

- **तर्क:** यह पंक्ति दर्शाती है कि कवि के पिता बाहर से जितने मजबूत और फौलादी दिखते हैं, भीतर से वे उतने ही संवेदनशील हैं; अपने पांचवें बेटे की याद आने पर उनका हृदय ज़रा सी बात पर भी पिघलकर आँसू (धारा) के रूप में बह निकलता है।

6. "बहिन आई बाप के घर, हाय रे परिताप के घर" पंक्ति में 'परिताप' शब्द से क्या संकेत मिलता है?

(क) घर का समृद्ध होना

(ख) घर की सजावट

(ग) घर में दुख का वातावरण

(घ) घर की शांति

- **तर्क:** बहन मायके में खुशियाँ मनाने आती है, परंतु जब उसे पता चलता है कि उसका भाई स्वतंत्रता संग्राम के कारण जेल में बंद है, तो वह पूरा घर उसके लिए अत्यधिक दुख और कष्ट का केंद्र (परिताप का घर) बन जाता है।

7. "और कहना मस्त हूँ मैं" पंक्ति में कवि का ऐसा कहना किस बात की ओर संकेत करता है?

(क) कवि अपने जीवन में बहुत खुश है।

(ख) अपने दुख को परिजनों से छिपाना चाहता है।

(ग) घर के लोगों के प्रति उदासीन है।

(घ) कवि प्राकृतिक सौंदर्य से अभिभूत है।

- **तर्क:** कवि सावन के माध्यम से अपने माता-पिता को झूठी सांत्वना भेज रहे हैं ताकि उनके कष्टों को जानकर उनके वृद्ध माता-पिता व्याकुल न हों और दुखी होकर रोने न लगें।

8. इस कविता में किस बात को प्रमुखता से वर्णित किया गया है?

(क) घर की शांति और सुरक्षा

(ख) घर के सदस्यों के बीच का संबंध

(ग) घर के निर्माण की प्रक्रिया

(घ) घर की याद और अकेलेपन की पीड़ा

- **तर्क:** पूरी कविता की केंद्रीय संवेदना ही कारावास के एकांत में कवि के भीतर उठने वाली अपने घर की तीव्र स्मृतियाँ, परिजनों का वियोग और अकेलेपन की मार्मिक पीड़ा है।

## मेरी समझ मेरे विचार

प्रश्न 1. कविता में वर्णित पिता के व्यक्तित्व की उन विशेषताओं का वर्णन कीजिए जिनसे उनका बहुआयामी रूप सामने आता है।

- **उत्तर:** कविता में कवि के पिता का एक अत्यंत विलक्षण और **बहुआयामी (Multifaceted) व्यक्तित्व** उभरकर सामने आता है:
  1. **शारीरिक रूप से वज्र और मानसिक रूप से कोमल:** उनका शरीर ७० सेर वजन का है, वे आज भी दो सौ साठ दंड लगाते हैं और मुगदर हिलाते हैं, परंतु उनका हृदय मक्खन (नवनीत) के समान कोमल है।
  2. **उम्र पर विजय (अदम्य उत्साह):** बुढ़ापा उन्हें छू तक नहीं पाया है; वे आज भी युवाओं की तरह तेज़ दौड़ सकते हैं और बच्चों की तरह खिलखिलाकर हँस सकते हैं।
  3. **निर्भीक और ओजस्वी:** उनकी आवाज़ में बादलों जैसी गर्जना है और वे मौत या शेर के सामने भी तनिक नहीं हिचकते।
  4. **संवेदनशील पिता:** इन सब कठोरताओं के बावजूद, वे अपने पांचवें बेटे (भवानी) को याद करके बच्चों की तरह रो पड़ते हैं, जो उनके सच्चे वात्सल्य को दिखाता है।

प्रश्न 2. "दुख डटकर ठेलता हूँ" यह कथन मनुष्य के संघर्षशील स्वभाव को उजागर करता है। कविता के आधार पर बताइए कि कठिन परिस्थितियों में कवि किस प्रकार धैर्य, साहस और त्याग का परिचय देता है?

- **उत्तर:** जेल की घोर यातनाओं, अकेलेपन और असहनीय विरह के बीच भी कवि भवानीप्रसाद मिश्र अब्दुत धैर्य और साहस का परिचय देते हैं:
  - **त्याग और देशप्रेम:** वे राष्ट्र की आज़ादी के लिए तीन वर्ष का कारावास सहना सहर्ष स्वीकार करते हैं और अपनी माँ की कोख को लजाते नहीं हैं।
  - **मानसिक साहस:** वे जेल में रोने या हताश होने के बजाय सूत कातने, पढ़ने और कविताएँ लिखने में व्यस्त रहते हैं।
  - **परम धैर्य:** वे अपने वास्तविक कष्टों (जैसे रात भर जागना, आदमियों से भागना) को छुपाकर सावन से कहते हैं कि मेरे माता-पिता को केवल मेरी मस्ती का संदेश देना ताकि वे दुखी न हों। यह उनका अपने परिवार के प्रति सर्वोच्च भावनात्मक त्याग है।

प्रश्न 3. कविता में बार-बार वर्षा का वर्णन कवि के भावों को किस प्रकार व्यक्त करता है?

- **उत्तर:** कविता में बार-बार आने वाली 'पानी गिरने' और 'झरा-झरा बारिश' की आवृत्ति कवि के अंतःकरण के **करुण रस और आंसुओं का प्राकृतिक बिंब (Visual Imagery)** है। जैसे बाहर आकाश से मूसलाधार पानी बरस रहा है, वैसे ही कवि के मन के भीतर से अपने परिवार के वियोग के आँसू निरंतर बह रहे हैं। बारिश का

यह वातावरण कवि की स्मृतियों को और अधिक तीव्र कर देता है, जिससे उनके घर की एक-एक छवि उनकी आँखों में साफ तैरने (तिरने) लगती है।

प्रश्न 4. कविता से उन पंक्तियों को चुनकर लिखिए और भाव स्पष्ट कीजिए जिनसे माँ की भावनात्मक मजबूती का परिचय मिलता है।

- उत्तर: माँ की भावनात्मक मजबूती को दर्शाने वाली मुख्य पंक्तियाँ निम्नलिखित हैं:

"और माँ ने कहा होगा, / दुख कितना बहा होगा / आँख में किसलिए पानी, / वहाँ अच्छा है भवानी।"

"पाँव जो पीछे हटाता, / कोख को मेरी लजाता, / इस तरह होओ न कच्चे, / रो पड़ेंगे और बच्चे।"

- भाव स्पष्टीकरण: इन पंक्तियों से स्पष्ट है कि माँ भले ही अनपढ़ और भीतर से दुखी है, परंतु संकट के समय वह स्वयं को बिखरने नहीं देती। वह रोते हुए पिता को अत्यंत कड़े शब्दों में सांत्वना देती है कि भवानी ने देश की रक्षा के लिए जेल जाकर अपनी लीक (परंपरा) निभाई है। यदि वह डरकर भाग आता, तो वह मेरी कोख के लिए कलंक होता। माँ का यह कथन भारतीय नारी के अदम्य साहस और वैचारिक सुदृढ़ता का अनुपम प्रमाण है।

प्रश्न 5. कविता का कौन-सा अंश आपको सबसे अधिक भावनात्मक और प्रभावी लगता है और क्यों?

- उत्तर: मुझे कविता का वह अंश सबसे अधिक प्रभावी और मर्मस्पर्शी लगता है जहाँ **माँ और पिताजी के बीच संवाद होता है और पिता अपने आँसुओं को छुपाने की कोशिश करते हैं:**

"पिताजी ने कहा होगा, / हाय, कितना सहा होगा, / कहाँ, मैं रोता कहाँ हूँ, / धीर मैं खोता, कहाँ हूँ।"

- कारण: यह अंश मानवीय मनोविज्ञान और एक पिता के अंतर्द्वंद्व का चरमोत्कर्ष है। एक फौलादी पिता जो दुनिया के सामने कभी नहीं झुकता, वह अपने बेटे के वियोग में अंदर से पूरी तरह टूट चुका है। अपनी पत्नी के सामने अपनी रुलाई और कमजोरी को छिपाने के लिए उनका यह कहना कि "मैं कहाँ रो रहा हूँ," उनके भीतर छिपे असीम दर्द और साहस को एक साथ दिखाता है, जो पाठक की आँखों को नम कर देता है।

## 1. विधा से संवाद: कविता का सौंदर्य

महाकवि भवानीप्रसाद मिश्र की सरल और लोकधर्मी काव्य-शैली की विशेषताओं की विस्तृत उदाहरण तालिका:

काव्य सौंदर्य की विशिष्टता	विशेषता का साहित्यिक अर्थ	पाठ्यपुस्तक से सटीक प्रामाणिक उदाहरण
ध्वन्यात्मकता / नाद सौंदर्य	शब्दों के चयन से कानों में एक विशिष्ट प्राकृतिक ध्वनि का सजीव आभास कराना।	"गिर रहा पानी झरा-झर, / हिल रहे पत्ते हरा-हर, / बह रही है हवा सर-सर..."
स्मृति और दृश्य बिंब	शब्दों के माध्यम से पाठक के मानस पटल पर स्पष्ट सजीव छवियाँ अंकित करना।	"खूब मुगदर हिला लेकर, / मूठ उनकी मिला लेकर, / जब कि नीचे आए होंगे..."
लोकभाषा की सहजता	बिना किसी क्लिष्टता के रोजमर्रा की बोलचाल के शब्दों का आत्मीय प्रयोग।	"चार भाई चार बहिनें / भुजा भाई प्यार बहिनें"

पंक्तियों का दोहराव	भाव की तीव्रता और विरह के गहरे वातावरण को पुष्ट करने के लिए पंक्तियाँ दोहराना।	"आज पानी गिर रहा है, / बहुत पानी गिर रहा है..."
आलंकारिक प्रयोग	उपमा और रूपक के माध्यम से चरित्र को भव्यता देना।	"वज्र-भुज नवनीत-सा उर" (उपमा और रूपक अलंकार)

### विषयों से संवाद

प्रश्न 1. वर्तमान में एकल परिवारों के बढ़ते चलन के संदर्भ में संयुक्त परिवार और एकल परिवार की तुलना कीजिए और अपनी पसंद-नापसंद लिखिए।

उत्तर: -

- **संयुक्त परिवार (Joint Family):** घर की याद कविता इसी संयुक्त परिवार की खुशियों का पूर है, जहाँ भाई-बहन एक-दूसरे का संबल होते हैं। **पसंद:** यहाँ बच्चों को दादा-दादी का अगाध स्नेह मिलता है, संकट के समय पूरा परिवार एक साथ खड़ा होता है और अकेलेपन का अवसाद कभी नहीं व्यापता। **नापसंद:** कई बार व्यक्तिगत स्वतंत्रता और निजता (Privacy) का अभाव रहता है।
- **एकल परिवार (Nuclear Family):** **पसंद:** यहाँ निर्णय लेने की स्वतंत्रता अधिक होती है और आधुनिक जीवनशैली के अनुकूल निजता मिलती है। **नापसंद:** यहाँ बच्चों में अकेलेपन की भावना बढ़ती है, कार्यव्यस्तता के समय बच्चों की देखभाल की समस्या होती है और वे पारिवारिक आत्मीयता के संस्कारों से दूर हो जाते हैं।
- **मेरी पसंद:** मुझे संयुक्त परिवार अधिक पसंद है क्योंकि विपत्ति के समय जो मानसिक सुरक्षा और स्नेह की धारा हमें अपनों के बीच मिलती है, वह एकल परिवार के भौतिक साधनों में कभी नहीं मिल सकती।

प्रश्न 2. लगातार बारिश होती रहे तो ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में किस प्रकार की समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं?

उत्तर: लगातार मूसलाधार बारिश होने से दोनों क्षेत्रों में निम्नलिखित गंभीर समस्याएँ उत्पन्न होती हैं:

- **ग्रामीण क्षेत्रों में:** खेतों में खड़ी फसलें जलमग्न होकर नष्ट हो जाती हैं, मिट्टी के कच्चे मकान गिरने का खतरा बढ़ जाता है, मवेशियों (गाय-ढोर) के लिए चारे का संकट होता है और नदी-नालों में बाढ़ आने से संपर्क पूरी तरह टूट जाता है।
- **शहरी क्षेत्रों में:** आधुनिक ड्रेनेज सिस्टम फ़ेल होने से सड़कों पर जल-भराव (Waterlogging) हो जाता है, यातायात पूरी तरह ठप हो जाता है, सीवर का गंदा पानी पीने के पानी की लाइनों में मिल जाता है जिससे महामारियाँ फैलती हैं और झुग्गी-बस्तियों में रहने वाले गरीबों का जीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो जाता है।

प्रश्न 3. कविता में सावन के बादल का प्रयोग एक संचार माध्यम (Messenger) के रूप में किया गया है। संचार के नए-पुराने माध्यमों में अंतर बताते हुए चर्चा कीजिए।

उत्तर: -

- **पुराने माध्यम:** प्राचीन काल में बादलों को दूत बनाना (काल्पनिक), कबूतरों के माध्यम से चिट्ठियाँ भेजना, डाकिया (पत्र विधा) और ढोल बजाकर संदेश पहुँचाना मुख्य साधन थे। इनमें संदेश पहुँचने में कई दिन या हफ्ते लग जाते थे, परंतु उनमें भावनाओं की एक गहरी आत्मीयता और संवेदनशीलता होती थी, जैसे कवि माँ के पत्र के लिए तरस रहे हैं।
- **आधुनिक नए माध्यम:** आज के युग में स्मार्टफोन, ईमेल, व्हाट्सएप, वीडियो कॉल और सोशल मीडिया मुख्य माध्यम हैं। इनके द्वारा संदेश पलक झपकते ही विश्व के किसी भी कोने में पहुँच जाता है। यह अत्यंत तीव्र और एडवांस तकनीक है, परंतु इसमें पुराने माध्यमों जैसी आत्मीयता का हास हुआ है और यह यांत्रिक बन चुकी है।

### सृजन: रचनात्मक लेखन

(क) कल्पना कीजिए कि कवि की माँ को पत्र लिखना आता है। वे कवि के लिए पत्र में क्या लिखतीं?

उत्तर –

प्रिय पुत्र भवानी,

सस्नेह आशीर्वादा

यहाँ लमही में कल रात से बहुत पानी गिर रहा है। पूरा आँगन पानी से भर गया है, परंतु मेरा हृदय तुम्हारे वियोग के आँसू से भरा है। तुम्हारे पिताजी रोज़ सुबह गीता-पाठ और दंड लगाने के बाद जब नीचे आते हैं, तो तुम्हारी खाली जगह को देखकर उनकी आँखें भर आती हैं। परंतु तुम जेल में तनिक भी उदास मत होना। मुझे इस बात का गर्व है कि तुमने अपने पिता के देशप्रेम के संस्कारों की लाज रखी और पराधीनता के खिलाफ खड़े हुए। यदि तुम डरकर पीछे हट जाते, तो मेरी कोख लज जाती। तुम वहाँ डटकर चबाना, सूत कातना और अपनी पढ़ाई जारी रखना। तुम्हारी सभी बहनें और भाई तुम्हारे साथ हैं। हम सब तुम्हारे स्वतंत्र होकर लौटने की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

तुम्हारी माँ

(ख) माता और पिता के बीच कवि के विषय में होने वाला 'संवाद-लेखन'

उत्तर –

(स्थान: घर का आँगन, सुबह का समय, पिता मुगदर रखकर नीचे आते हैं और उदास बैठ जाते हैं)

**पिताजी:** (गहरी साँस लेकर, आँखों में जल भरकर) प्रेमा! आज सावन की इस झड़ी में मुझे अपने पांचवें बेटे भवानी की बहुत याद आ रही है। न जाने वह जेल के किस कोने में भूखा-प्यासा बैठा होगा। **माँ:** (धैर्यपूर्वक उनके आँसू पोंछते हुए) आप इस तरह अपने मन को कच्चा क्यों कर रहे हैं? भवानी वहाँ बहुत अच्छा होगा। वह आपका ही तो बेटा है, आपकी ही लीक पर चला है। **पिताजी:** (रुँधे गले से) मैं जानता हूँ कि वह वीर है, पर मेरा संवेदनशील हृदय उसे याद किए बिना नहीं रहता। **माँ:** यदि वह आज जेल न जाकर घर में छुपा रहता, तो मेरी कोख लज जाती। आप बहादुर हैं, यदि आप ही रो पड़ेंगे तो घर के बाकी बच्चे भी रोने लगेंगे। धीर धरिए। **पिताजी:** (अपने आँसुओं को पोंछते हुए) कहाँ, मैं रोता कहाँ हूँ? मैं अपना धैर्य कहाँ खो रहा हूँ! मुझे अपने बेटे पर गर्व है।

## व्याकरण की बात

### (क) आंचलिक/क्षेत्रीय शब्दों का अर्थ स्पष्टीकरण एवं प्रांजल वाक्य प्रयोग

#### 1. एक छिन सौ बरस है रे

- 'छिन' का अर्थ: क्षण या पल (समय का बहुत छोटा भाग)।
- नया वाक्य प्रयोग: "परीक्षा भवन में कठिन प्रश्नपत्र सामने देखकर छात्र के लिए एक-एक छिन काटना भारी हो गया।"

#### 2. तुझे बतलाता कि बेला / ने फलानी फूल झेला

- 'फलानी' का अर्थ: अमुक, कोई निश्चित वस्तु या विशेष पौधा।
- नया वाक्य प्रयोग: "गाँव के बुजुर्ग ने कहा कि फलानी ज़मीन पर इस बार धान की पैदावार सबसे अधिक होगी।"

#### 3. और भौजी और सरला, सहज पानी सहज तरला

- 'भौजी' का अर्थ: भाभी (भाई की पत्नी)।
- नया वाक्य प्रयोग: "त्योहार के अवसर पर मेरी भौजी ने पूरे परिवार के लिए स्वादिष्ट पारंपरिक पकवान बनाए।"

#### 4. मन कि बड़ का झाड़ जैसे

- 'बड़' का अर्थ: बरगद का विशाल वृक्ष (वट वृक्ष)।
- नया वाक्य प्रयोग: "हमारे गाँव के चौराहे पर स्थित वह सदियों पुराना बड़ का पेड़ राहगीरों को शीतल छाँह देता है।"

### (ख) व्याकरणिक पहचान ग्रीड (Complete Grammatical Grid)

वाक्य संदर्भ	रेखांकित पद	पद का व्याकरणिक भेद / परिचय
(क) "बहुत पानी गिर रहा है"	पानी	संज्ञा (द्रव्यवाचक संज्ञा)
	बहुत	विशेषण (अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण)
	गिर रहा है	संयुक्त क्रिया (वर्तमान काल)
(ख) "पिताजी जिनको बुढ़ापा, एक क्षण भी नहीं व्यापा"	बुढ़ापा	संज्ञा (भाववाचक संज्ञा)
	व्यापा	क्रिया (अकर्मक क्रिया, भूतकाल)
	जिनको	सर्वनाम (सम्बन्धवाचक सर्वनाम)
(ग) "खुले सिर नंगे बदन वह, घूमता फिरता मगन वह"	खुले	विशेषण (गुणवाचक विशेषण)
	वह	सर्वनाम (अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम)
	बदन	संज्ञा (जातिवाचक संज्ञा)
	फिरता	क्रिया (सकर्मक/रंजक क्रिया रूप)
(घ) "एक पत्ता टूट जाए, बस कि धारा फूट जाए"	एक	विशेषण (निश्चित संख्यावाचक विशेषण)
	पत्ता	संज्ञा (जातिवाचक संज्ञा)

	मस्त हूँ	क्रिया (अवस्था सूचक सकर्मक क्रिया रूप)
(ड) "हे सजीले हेरे सावन, हे कि मेरे पुण्य पावन"	सजीले	विशेषण (गुणवाचक विशेषण)
	मेरे	सर्वनाम (पुरुषवाचक सर्वनाम - संबंध कारक रूप)
	सावन	संज्ञा (जातिवाचक संज्ञा / विशेष काल सूचक)



### भाषा संगम (विभिन्न प्रांतीय भाषाई रूप)

संविधान की आठवीं अनुसूची में सम्मिलित विभिन्न समृद्ध भारतीय भाषाओं में 'घर' (होम/हाउस) शब्द के प्रामाणिक रूप निम्नलिखित हैं:

- हिंदी / पंजाबी / उर्दू / मराठी / गुजराती / कोंकणी / असमिया / ओड़िया: घर / मकान / गृह / निवास
- संस्कृत: गृहम्
- कश्मीरी / सिंधी: गॅरु / घरु
- नेपाली / बांग्ला: घर, आवास, बाड़ी
- मणिपुरी: युम
- तेलुगु: इल्लु
- तमिल / मलयालम: वीडु, इल्लम्
- कन्नड़: गृह, मने
- मातृभाषा (हिंदी) में मूल वाक्य का शुद्ध रूप: "घर कि घर में सब जुड़े हैं।"

### Links और References

अध्याय के अंतर्गत दिए गए प्रामाणिक वैधानिक और डिजिटल संदर्भों का विवरण निम्नलिखित है:

-  डिजिटल शब्दकोश संदर्भ (शिक्षा मंत्रालय): <https://shabd.education.gov.in/lexicon.jsp> — 'चतुर्दिक', 'परिताप' और 'नवनीत' जैसे विशिष्ट आंचलिक शब्दों के प्रामाणिक भाषाई तुलनात्मक अध्ययन हेतु उपयोगी डिजिटल मंच।
-  NCERT Official - घर की याद (काव्य पाठ एवं व्याख्या): राष्ट्रीय शैक्षणिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद के आधिकारिक पोर्टल पर जाकर आप इस पूरी कविता का सस्वर ओजपूर्ण पाठ और इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि (भारत छोड़ो आंदोलन 1942) का वृत्तचित्र देख सकते हैं।